I.C.S.E

कक्षा : X

हिन्दी

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

Answers to this Paper must be written on the paper provided separately.

You will not be allowed to write during the first 15 minutes.

This time is to be spent in reading the question paper.

The time given at the head of this Paper is the time allowed for writing the answers

*This Paper comprises of two sections ; **Section A** and **Section B.***

*Attempt **All** the questions from **Section A.***

*Attempt any **four** questions from **Section B**, answering at least **one** question each from the **two** books you have studied and any **two** other questions.*

The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].

SECTION – A (40 Marks)

Attempt all questions

Q.1 Write a short composition in Hindi of approximately 250 words on any one of the following topics: [15]

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए:

1. हम समाज का एक अभिन्न अंग होते हैं प्रत्येक का फर्ज बनता है कि वह अपने समाज के लिए कुछ करें इसी आधार पर एक एक समाजसेवक की आत्मकथा लिखिए।
2. हिमालय केवल हमारा प्रहरी ही नहीं अपितु हमारा गर्व भी है इसी आधार पर कल्पना कीजिए कि यदि हिमालय न होता तो क्या होता।
3. बच्चे के पालन-पोषण में संयुक्त परिवार एक अहम् भूमिका निभाते हैं कारण स्पष्ट करते हुए संयुक्त परिवार पर अपने विचार प्रकट करें।

4. एक ऐसी मौलिक कहानी लिखिए जिसके अन्त में यह वाक्य लिखा गया हो - 'अन्ततः मैं अपनी योजना में सफल हो सका/हो सकी।'
5. नीचे दिये गये चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए अथवा कहानी लिखिए, जिसका सीधा व स्पष्ट संबंध चित्र से होना चाहिए।

Q.2 Write a letter in Hindi in approximately 120 Words on any one of the topics given below: [7]

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग **120** शब्दों में पत्र लिखिए :

शिक्षाधिकारी को पत्र लिखकर अपनी जन्मतिथि में सुधार के लिए प्रार्थना पत्र लिखें।

अथवा

पिछले महीने कुछ प्रयासों द्वारा आपके विद्यालय के छात्रों ने कुछ धनराशि एकत्रित करके मूक-बधिर (deaf and dumb) विद्यालय के विद्यार्थियों की सहायता की थी। इसका वर्णन करते हुए अपने मित्र को एक पत्र लिखिये और बताइये कि हमें समाज के विकलांग लोगों के प्रति जैसा व्यवहार रखना चाहिए व उनकी सहायता के लिए किस प्रकार के प्रयास करने चाहिए।

Q.3 Read the passage given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own words as far as possible: [10]

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए :

महात्माओं और विद्वानों का सबसे बड़ा लक्षण है - आवाज़ को ध्यान से सुनना। यह आवाज़ कुछ भी हो सकती है। कौओं की कर्कश आवाज़ से लेकर नदियों की छलछल तक। मार्टिन लूथर किंग के भाषण से लेकर किसी पागल के बड़बड़ाने तक। अमूमन ऐसा होता नहीं। सच यह है कि हम सुनना चाहते ही नहीं। बस बोलना चाहते हैं। हमें लगता है कि इससे लोग हमें बेहतर तरीके से समझेंगे। हालांकि ऐसा होता नहीं। हमें पता ही नहीं चलता और अधिक बोलने की कला हमें अनसुना करने की कला में पारंगत कर देती है।

मनोवैज्ञानिक ने अपने अध्ययन में पाया कि जिन घरों के अभिभावक ज्यादा बोलते हैं, वहाँ बच्चों में सही-गलत से जुड़ा स्वाभाविक ज्ञान कम विकसित हो पाता है, क्योंकि ज्यादा बोलना बातों को विरोधाभासी तरीके से सामने रखता है और सामने वाला बस शब्दों के जाल में फँसकर रह जाता है। बात औपचारिक हो या अनौपचारिक, दोनों स्थिति में हम दूसरे की न सुन, बस हावी होने की कोशिश करते हैं। खुद ज्यादा बोलने और दूसरों को अनसुना करने से जाहिर होता है कि हम अपने बारे में ज्यादा सोचते हैं और दूसरों के बारे में कम। ज्यादा बोलने वालों के दुश्मनों की भी संख्या ज्यादा होती है। अगर आप नए दुश्मन बनाना चाहते हैं, तो अपने दोस्तों से ज्यादा बोलें और अगर आप नए दोस्त बनाना चाहते हैं, तो दुश्मनों से कम बोलें। अमेरिका के सर्वाधिक चर्चित राष्ट्रपति रूजवेल्ट का अपने माली तक के साथ कुछ समय बिताते और इस दौरान उनकी बातें ज्यादा सुनने की कोशिश करते। वह कहते थे कि लोगों को अनसुना करना अपनी लोकप्रियता के साथ खिलवाड़ करने जैसा है। इसका लाभ यह मिला कि ज्यादातर अमेरिकी नागरिक उनके सुख में सुखी होते, और दुख में दुखी।

(क) अनसुना करने की कला क्यों विकसित होती है? [2]

(ख) अधिक बोलने वाले अभिभावकों का बच्चों पर क्या प्रभाव पड़ता है और क्यों? [2]

(ग) अधिक बोलना किन बातों का सूचक है? [2]

(घ) रूजवेल्ट की लोकप्रियता का क्या कारण बताया गया है? [2]

(ङ) अनुच्छेद का मूल भाव तीन-चार वाक्यों में लिखिए। [2]

Q.4 Answer the following according to the instructions given:

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :

1. निम्नलिखित शब्दों से विशेषण बनाइए : **[1]**

- अनुभव
- पूजा

2. निम्नलिखित शब्दों में से किसी दो शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए: **[1]**

- पुत्री
- घमंड

3. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए : **[1]**

- अपमान
- अमावस्या
- उत्थान
- निंदा

4. निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक की सहायता से वाक्य बनाइए : [1]

मुँह में पानी भर आना, टाँग अड़ाना

- मुँह में पानी भर आना
- टाँग अड़ाना

5. भाववाचक संज्ञा बनाइए। [1]

- सेवक
- बच्चा

6. कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए :

(a) वह दुश्मन की सेना पर टूट पड़ा। [1]
('टूट पड़ा' के स्थान पर हमला किया का प्रयोग कीजिए।)

(b) विद्यार्थी पुस्तक पढ़ रहा है। (बहुवचन में बदलिए) [1]

(c) अन्ना हज़ारे ने सरकार का लोकपाल बिल मानने से इंकार कर दिया।[1]
(रेखांकित शब्द का विपरीतार्थक शब्द लिखिए। ध्यान रहे वाक्य का अर्थ न बदले।)

SECTION - B (40 Marks)
Attempt four questions from this section.
You must answer at least one question from each of two books you have studied and any two other questions.

साहित्य सागर

गद्य

Q.5 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

एक दिन उसने ऊपर आसमान में पतंग उड़ती देखी। न जाने क्या सोचकर उसका हृदय एकदम खिल उठा।

पाठ - काकी

लेखक - सियारामशरण गुप्त

1. किसका हृदय क्यों खिल उठा? [2]
2. श्यामू ने कौन-सी चीज किस उद्देश्य से मँगवाई थी? [2]
3. इस कार्य में उसकी मदद किसने की उसका परिचय दें। [3]
4. अपने उद्देश्य की पूर्ति के लिए श्यामू ने पैसों की व्यवस्था किस प्रकार की? [3]

Q. 6 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

मैंने देखा कि कुहरे की सफेदी में कुछ ही हाथ दूर से एक काली-सी मूर्ति हमारी तरफ आ रही थी। मैंने कहा - "होगा कोई"

पाठ - अपना अपना भाग्य

लेखक - जैनेंद्र कुमार

1. लेखक किसके साथ कहाँ बैठा था? [2]
2. बादलों का लेखक ने कैसा वर्णन किया है? [2]
3. लेखक ने नैनीताल की उस संध्या में कुहरे की सफेदी में क्या देखा? [3]
4. लेखक और मित्र ने उस बालक के विषय में कौन-सी बातें जानी? [3]

Q 7 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

इसी नगरपालिका के उत्साही बोर्ड या प्रशासनिक अधिकारी ने एक बार 'शहर' के मुख्य चौराहे पर नेताजी सुभाषचंद्र बोस की एक संगमरमर की प्रतिमा लगवा दी यह कहानी उसी प्रतिमा के बारे में है, बल्कि उसके भी एक छोटे-से हिस्से के बारे में।

पाठ - नेताजी का चश्मा

लेखक - स्वयं प्रकाश

1. हालदार साहब कब और कहाँ-से क्यों गुजरते थे? [2]
2. कस्बे का वर्णन कीजिए। [2]
3. नगरपालिका के कार्यों के बारे में बताइए। [3]
4. शहर के मुख्य बाज़ार में प्रतिमा किसने लगवाईं थी और उस प्रतिमा की क्या विशेषता थी? [3]

साहित्य सागर

पद्य

Q. 8 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

जब तक मनुज-मनुज का यह सुख भाग नहीं सम होगा,
शमित न होगा कोलाहल, संघर्ष नहीं कम होगा।
उसे भूल वह फँसा परस्पर ही शंका में भय में,
लगा हुआ केवल अपने में और भोग-संचय में।
प्रभु के दिए हुए सुख इतने हैं विकीर्ण धरती पर,
भोग सकें जो उन्हें जगत में कहाँ अभी इतने नर?
सब हो सकते तुष्ट, एक-सा सुख पर सकते हैं;
चाहें तो पल में धरती को स्वर्ग बना सकते हैं,

कविता - स्वर्ग बना सकते हैं

कवि - रामधारी सिंह 'दिनकर'

1. प्रभु के दिए हुए सुख इतने हैं विकीर्ण धरती पर' - पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। [2]
2. मानव का विकास कभी संभव होगा? [2]
3. किस प्रकार पल में धरती को स्वर्ग बना सकते है? [3]
4. शब्दार्थ लिखिए - शमित, विकीर्ण, कोलाहल, विघ्न, चैन, पल [3]
    - शमित
    - विकीर्ण
    - कोलाहल
    - विघ्न
    - चैन
    - पल

Q. 9 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

भूख से सूख ओंठ जब जाते
दाता-भाग्य विधाता से क्या पाते**?**
घूँट आँसुओं के पीकर रह जाते।
चाट रहे जूठी पत्तल वे सभी सड़क पर खड़े हुए,
और झपट लेने को उनसे कुत्ते भी हैं अड़े हुए!

कविता - भिक्षुक

कवि - सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

1. भिक्षुक के आँसुओं के घूँट पी जाने का क्या कारण है? [2]
2. भूख मिटाने की विवशता उनसे क्या करवाती है? [2]
3. 'और झपट लेने को उनसे कुत्ते भी हैं अड़े हुए' - पंक्ति का आशय स्पष्ट करें। [3]
4. शब्दार्थ लिखिए - ओंठ, सड़क, कुत्ते, झपट, आँसू, विधाता [3]
   - ओंठ
   - सड़क
   - कुत्ते
   - झपट
   - आँसू
   - विधाता

Q. 10 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

मैया, मैं तौ चंद-खिलौना लैहौं।
जैहौं लोटि धरनि पर अबहीं, तेरी गोद न ऐहौं॥
सुरभी कौ पय पान न करिहौं, बेनी सिर न गुहैहौं।
ह्वै हौं पूत नंद बाबा को, तेरौ सुत न कहैहौं॥

आगैं आउ, बात सुनि मेरी, बलदेवहि न जनैहौं।
हँसि समुझावति, कहति जसोमति, नई दुलहिया दैहौं॥
तेरी सौ, मेरी सुनि मैया, अबहिं बियाहन जैहौं॥
सूरदास ह्वै कुटिल बराती, गीत सुमंगल गैहौं॥

कविता - सूर के पद

कवि - सूरदास

1. उपर्युक्त पद का प्रसंग स्पष्ट कीजिए। [2]
2. अपनी हठ पूरी न होने पर बाल कृष्ण अपनी माता को क्या-क्या कह रहे हैं? [2]
3. यशोदा माता श्रीकृष्ण को मनाने के लिए क्या कहती है? [3]
4. माँ यशोदा की बात सुनकर श्रीकृष्ण की क्या प्रतिक्रिया हुई? [3]

एकांकी संचय

Q. 11 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

काश कि मैं निर्मम हो सकती, काश कि मैं संस्कारों की दासता से मुक्त हो पाती तो कुल धर्म और जाति का भूत मुझे तंग न करता और मैं अपने बेटे से न बिछुड़ती। स्वयं उसने मुझसे कहा था, संस्कारों की दासता सबसे भयंकर शत्रु है।

एकांकी - संस्कार भावना

लेखक - विष्णु प्रभाकर

1. कौन संस्कारों की दासता से मुक्त होने में विफल रहा और क्यों? [2]
2. माँ ने अपने विचारों के प्रति क्या पश्चाताप किया है? [2]
3. अतुल और उमा माँ के किस निर्णय से प्रसन्न हैं? [3]
4. अविनाश की वधू का चरित्र-चित्रण कीजिए। [3]

Q. 12 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

कभी-कभी चोट भी मरहम का काम कर जाती है, बेटा। अरे, खड़ी-खड़ी हमारा मुँह क्या ताक रहो हो? अन्दर जाकर तैयारी क्यों नहीं करती है? बहू की विदा नहीं करनी है क्या?

एकांकी - बहू की विदा

लेखक - विनोद रस्तोगी

1. 'कभी-कभी चोट भी मरहम का काम कर जाती है' कथन से वक्ता का क्या अभिप्राय है? [2]
2. वक्ता की बेटी के ससुराल वालों के किस काम से उनकी आँखें खुलीं? [2]
3. उपर्युक्त कथन का श्रोता और उसकी बहन पर क्या प्रतिक्रिया हुई? [3]
4. क्या स्त्री शिक्षा दहेज प्रथा को समाप्त करने में सहायक हो सकती है? अपने विचार लिखिए। [3]

Q.13 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

इस फ़र्नीचर पर हमारे बाप-दादा बैठते थे, पिता बैठते थे, चाचा बैठते थे। उन लोगों को कभी शर्म नहीं आई, उन्होंने कभी फ़र्नीचर के सड़े-गले होने की शिकायत नहीं की।

एकांकी - सूखी डाली

लेखक - उपेंद्रनाथ 'अश्क'

1. उपर्युक्त अवतरण का वक्ता कौन है और इस समय वह किससे और क्यों बहस कर रहा है? [2]

2. श्रोता बेला के मायके और ससुराल में क्या अंतर है? [2]

3. बेला की फ़र्नीचर के बारे क्या राय थी? [3]

4. घर के फ़र्नीचर के बारे में वक्ता की राय क्या थी और वह उसे क्यों नहीं बदलना चाहता था? [3]

नया रास्ता

(सुषमा अग्रवाल)

Q.14 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

दूसरे दिन प्रात: होते ही दयाराम जी के घर में मेहमानों के स्वागत के लिए विभिन्न प्रकार की तैयारियाँ प्रारंभ हो गई थीं। घर की सारी चीजें झाड़-पोंछकर यथा-स्थान लगा दी गई थीं। एक मध्यम श्रेणी की हैसियत के अनुसार बैठक को विशेष रूप से सुसज्जित किया गया।

1. प्रस्तुत पंक्तियों में कौन किसके घर आ रहा है? [2]
2. आनेवाले मेहमान को विशेष महत्त्व क्यों दिया जा रहा है? [3]
3. "विभिन्न प्रकार की तैयारियाँ...." विशिष्ट संदर्भ में स्पष्ट कीजिए। [3]
4. आनेवाले मेहमान से परिवार के लोगों को क्या उम्मीद है? [3]

Q.15. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

वह समझ नहीं पा रही थी कि हमारे समाज में स्त्री पुरुष में इतना भेद क्यों? यदि कोई लड़का अकेला रहता है तो समाज उस पर अंगुलियाँ नहीं उठाता, चाहे वह कितना ही अपराध क्यों न करता हो परंतु एक लड़की, चाहे वह कितना अपराध क्यों न करता हो। परंतु एक लड़की,चाहे वह कितना ही संयम शील जीवन क्यों न व्यतीत करती हो, फिर समाज उस पर दोषारोपण करता है।

1. किसी बातें सुनकर वक्ता इतनी परेशान है? [2]

2. समाज में स्त्री पुरुष में इतना भेद क्यों है? [2]

3. लड़की के जीवन में इतनी कठिनाईयाँ क्यों आती है**?** [3]

4. इन पक्तियों के भाव स्पष्ट कीजिए**?** [3]

Q.16. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

मीनू दुल्हन बनी, उसकी डोली सजी और अपने पिया संग ससुराल को चल दी। मीनू को पा लेने पर अमित भी अब अपने को भाग्यशाली अनुभव कर रहा था।

दुल्हन के रूप में सजी मीनू आज साधारण पढ़ी मीनू नहीं, वरन् एक प्रसिद्ध वकील मीनू थी, जिसने आत्मविश्वास व लगन से विशेष ख्याति प्राप्त कर ली थी।

आज वह अपनी मंजिल तक पहुँच चुकी थी, जिसकी उसे तलाश थी।

1. 'आज मीनू का सपना पूरा हो गया' स्पष्ट करो। [2]

2. क्या वकील बनना ही मीनू की मंजिल थी**?** [2]

3. सामाजिक बंधन से क्या मीनू मुक्त हो सकी**?** [3]

4. 'विशेष ख्याति' से क्या तात्पर्य है? [3]

Solution

Answers to this Paper must be written on the paper provided separately.

You will not be allowed to write during the first 15 minutes.

This time is to be spent in reading the question paper.

The time given at the head of this Paper is the time allowed for writing the answers

*This Paper comprises of two sections ; **Section A** and **Section B.***

*Attempt **All** the questions from **Section A.***

*Attempt any **four** questions from **Section B**, answering at least **one** question each from the **two** books you have studied and any **two** other questions.*

The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].

SECTION – A (40 Marks)

Attempt all questions

Q.1 Write a short composition in Hindi of approximately 250 words on any one of the following topics: [15]

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग **250** शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए:

1. हम समाज का एक अभिन्न अंग होते हैं प्रत्येक का फर्ज बनता है कि वह अपने समाज के लिए कुछ करें इसी आधार पर एक एक समाजसेवक की आत्मकथा लिखिए।

   समाज हम एक से अधिक लोगों के एक साथ रहने को कहते हैं। जहाँ परस्पर एक दूसरे के हितों को ध्यान में रखकर लोग आपस में मिलजुल कर रहते हैं।

दुनिया में बिना समाज के व्यक्ति अधूरा होता है, क्योंकि समाज हम सभी के जीवन का एक अभिन्न अंग है। समाज कहे जाने वाले समूह में सामाजिक प्राणी के रूप में मानव जाति को देखा जाता है।
मैंने अपनी पच्चीस वर्ष की आयु से ही समाजसेवा की शुरुवात कर दी थी। मेरे पिताजी एक प्रसिद्ध समाजसेवक थे, उन्होंने गाँव में लड़कियों के लिए कन्याशाला खुलवाई थी।
मैंने भी उनसे प्रेरणा पाकर शोषित महिलाओं की मदद करने के लिए एक संस्था खोली। महिलाएँ यहाँ अपनी समस्याए लेकर आती थी। हमारी संस्था की महिलाएँ उनकी हिम्मत बढ़ाती, रोजगार दिलाती, उन्हें आत्म निर्भर बनाती ताकि वे एक अच्छा जीवन जी सके।
इसके बाद मैंने गरीब लोगों के लिए चिकित्सालय बनवाएँ, गरीब मजदूरों के लिए रात में प्रौढ़ शिक्षा वर्ग की व्यवस्था की।
फिर मैंने कुछ लोगों की सहायता से एक संस्था बनाई जिसके द्वारा कई समाजसेवा के कार्य किए जैसे - अनाथाश्रम बनाना, दहेज़ प्रथा के विरोध में अभियान चलाना, धार्मिक कार्यक्रम, किसानों के लिए भूदान अभियान, नशाबन्दी अभियान।
अब बढ़ती उम्र के साथ यह सम्भव नहीं की कुछ और सेवा कर पाऊ किन्तु सब को यही संदेश देना चाहूँगा कि जीवन में गरीब और लाचार लोगों की हमेशा मदद करना।
इस प्रकार मैंने जीवन भर लोगों की सेवा की। लेकिन दुख इस बात का है कि आज लोग मुझे भूल गए हैं।

2. हिमालय केवल हमारा प्रहरी ही नहीं अपितु हमारा गर्व भी है इसी आधार पर कल्पना कीजिए कि यदि हिमालय न होता तो क्या होता।
   हिमालय संस्कृत के 'हिम' तथा 'आलय' शब्दों से मिलकर बना है, जिसका शब्दार्थ 'बर्फ़ का घर' होता है। हिमालय भारत की धरोहर है। यह भारतवर्ष का सबसे ऊँचा पर्वत है। हिमालय हमारा सिर्फ पालक या प्रहरी ही नहीं है। न ही शांति, सुंदरता और रोमांच ही इसके मायने हैं। इन सबसे कहीं आगे हमारे अस्तित्व की सबसे बड़ी जरूरत है हिमालय।

यदि हिमालय न होता तो उत्तर भारत की सुरक्षा कौन निभाता? यदि हिमालय न होता तो गंगा, यमुना, सिन्धु और ब्रह्मपुत्र जैसी नदियाँ कहाँ से निकलती? हिमालय की छाया में एवरेस्ट, लान्स, नंदादेवी आदि इसके मुख्य हिम शिखर हैं। हिमालय भारत का पहरेदार है। यदि हिमालय न होता तो शत्रुओं से हमारी रक्षा कौन करता? हिमालय उत्तर के बर्फीले पवनों को भारत में प्रवेश करने से रोकता है। दक्षिणी-पश्चिमी मानसूनी पवन हिमालय की ऊँची पर्वत-श्रेणियों से टकराकर भारत में वर्षा करते हैं। यही वर्षा देश को कृषिप्रधान देश बनाती है। इस वजह से भारत को 'सोने की चिड़िया' कहलाने का गौरव प्राप्त हुआ है।
पुराणों के अनुसार हिमालय मैना का पति और पार्वती का पिता है। गंगा इसकी सबसे बड़ी पुत्री है। भगवान शंकर का निवास कैलाश यहीं है। महाभारत के अनुसार पांडव स्वर्गारोहण के लिए यहीं आए थे।
इस तरह हिमालय सदा से भारतीय संस्कृति, इतिहास और गौरव का साक्षी रहा है।

3. बच्चे के पालन-पोषण में संयुक्त परिवार एक अहम् भूमिका निभाते हैं कारण स्पष्ट करते हुए संयुक्त परिवार पर अपने विचार प्रकट करें।
बड़े-बुजर्गों के साथ कई रिश्तों का एक माला में पिरोया हुआ परिवार ही संयुक्त परिवार कहलाता है। संयुक्त परिवार से संयुक्त उर्जा का जन्म होता है। संयुक्त उर्जा दुखों को खत्म करती है। संयुक्त परिवार हमारी सामाजिक व्यवस्था का मूल आधार है पहले खेती प्रधान समाज था। हर परिवार में ज्यादा से ज्यादा लोगों की जरूरत पड़ती थी। यही कारण था कि एक ही चूल्हा हुआ करता था। सब लोग एक ही रसोई का पका हुआ भोजन खाते और मिलकर खेती करते थे। सेहत-चिकित्सा का विकास नहीं हुआ था। मृत्यु दर अधिक थी। यही कारण था कि परिवार को बड़ा रखने की सोच ज्यादा प्रबल थी। समाज के साथ-साथ मानव की सोच में बदलाव आया। जन्म दर बढ़ी और स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएँ बढ़ने लगी। मृत्यु दर कम हुई और रोजगार के साधन बड़े। जिस कारण बड़े परिवार का लालन-पालन करना कठिन होने लगा। खेती के सीमित होने से छोटे परिवारों की

धारणा बढ़ने लगी। लेकिन आज के प्रतिस्पर्धा भरे युग में जहाँ हर व्यक्ति अपने को दूसरे से बेहतर साबित करने के होड़ में जुटा है, कम उम्र एवं कम समय मे ज्यादा कामयाबी, ऊँचा पद तथा आमदनी हासिल करने के जूनून में व्यक्ति परिवार से दूर होते जा रहा है। बदलती जीवनशैली और प्रतिस्पर्धा के दौर में तनाव तथा अन्य मानसिक समस्याओं से निपटने में अपनों का साथ अहम भूमिका निभा सकता है। संयुक्त परिवार में सभी सदस्य एक दूसरे के आचार व्यवहार पर निरंतर निगरानी बनाय रखते हैं, किसी की अवांछनीय गतिविधि पर अंकुश लगा रहता है, अर्थात प्रत्येक सदस्य चरित्रवान बना रहता है। किसी समस्या के समय सभी परिजन उसका साथ देते हैं। इसलिए आज फिर से संयुक्त परिवारों को अपनाया जा रहा है। इसका एक कारण नारियों का कामकाजी होना भी है आज लगभग हर एक घर में नारी कामकाजी है ऐसे में बच्चों की सुरक्षा एक अहम् मुद्दा माता-पिता के सामने उभरकर आता है और ये तो सर्वविदित सत्य है कि दादा-दादी या नाना-नानी या घर बड़े बुजर्गों से बढ़िया लालन-पालन और कोई नहीं कर सकता है। आज जहाँ हर दिन बच्चों से जुड़ी अप्रिय घटनाएँ सुनने को मिल जाती है ऐसे समय में घर के बड़े-बुजर्गों का ही आसरा बचता है केवल सुरक्षा की ही बात नहीं है परंतु बच्चों के बढ़ते अहम् वर्षों में उसे ज्यादा सुना जाना, उसकी जिज्ञासा का सही उत्तर देना और हर समय किसी न किसी की उपलब्धता अति आवश्यक होती है और वर्तमान परिवेश में घर के बड़े बुजर्गों के अलावा माता-पिता के पास इतना समय नहीं होता है इसलिए आज संयुक्त परिवार हर घर की जरुरत बन गए है। वैसे भी अधिकतर अकेले और एकाकी परिवार के बच्चे हिंसक, झगड़ालू और कुंठित हो जाते हैं। कामकाजी माता-पिता के बच्चों में कई विकृतियों से पूरा विश्व चिंतित है। आज के बच्चे कल का भविष्य हैं। आदर्श नागरिक बन कर वे देश के संचालक होंगे। यदि बच्चों को अच्छी परवरिश और संस्कार नहीं मिलेंगे तो वे आगे चलकर न ही अपना विकास कर पायेंगे और न ही परिवार का और न ही वे देश के विकास में सकारात्मक सहयोग दे सकेंगे। बच्चे संयुक्त परिवार में दादा-दादी, काका-काकी, बुआ आदि के प्यार की छाँव में खेलते-कूदते और संस्कारों को

सीखते हुए बड़े होते हैं। आज फिर से संयुक्त परिवार की भावना को स्वीकार किया जा रहा है। हर कोई चाहता है कि उनका परिवार सुखी और खुशहाल हो।

4. एक ऐसी मौलिक कहानी लिखिए जिसके अन्त में यह वाक्य लिखा गया हो - 'अन्ततः मैं अपनी योजना में सफल हो सका/हो सकी।'

सोहन परीक्षा में असफल होने के कारण बहुत उदास था। न वह खाना खा रहा था ना ही घर में किसी से बात कर रहा था तभी उसकी माँ वहाँ आई उन्हें देखकर वह रोने लगा तब उसकी माँ ने उसे समझाया कि उदास होकर बैठने से क्या होगा। तुम्हें और मेहनत करनी होगी। तुमने यह कहावत तो सुनी ही होगी।

करत-करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान।
रसरी आवत-जात के, सिल पर परत निशान।।

इसका यह अर्थ है कि जिस प्रकार बार-बार रस्सी के आने जाने से कठोर पत्थर पर भी निशान पड़ जाते हैं, उसी प्रकार बार-बार अभ्यास करने पर मूर्ख व्यक्ति भी एक दिन कुशलता प्राप्त कर लेता है।

सारांश यह है कि निरन्तर अभ्यास कम कुशल और कुशल व्यक्ति को पूर्णतया पारंगत बना देता है। अभ्यास सफलता की कुंजी हैं। परन्तु अभ्यास के कुछ नियम हैं। अभ्यास निरन्तर नियमपूर्वक होना चाहिए। तुम पढ़ने के लिए समय-सारिणी बनाओ और अपनी बहन की, मित्रों की आदि मदद लो।

सोहन ने तभी अपनी माँ के साथ बैठकर समय-सारिणी बनाई और फिर उसके अनुरूप पढ़ाई करने लगा। आवश्यकता होने पर अवकाश के समय शिक्षकों की एवं मित्रों की सहायता लेने लगा। अंत में वह अपनी योजना में सफल हो सका और परीक्षा में सर्वश्रेष्ठ अंक प्राप्त लिए।

5. नीचे दिये गये चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर वर्णन कीजिए अथवा कहानी लिखिए, जिसका सीधा व स्पष्ट संबंध चित्र से होना चाहिए।

प्रस्तुत चित्र हड़ताल से संबंधित है। कोई खास वर्ग अपनी माँगों के समर्थन के लिए हड़ताल करता हुआ जान पड़ता है। हड़ताल ने यहाँ पर अपना उग्र रूप ले लिया है। कई लोग सड़कों पर उतर आए हैं और सामूहिक रूप से देश की संपत्ति को नुकसान पहुँचा रहे हैं।

भारत में इसकी शुरुआत औद्योगिक विकास के बाद ही शुरू हुई है। कारखानों, मिलों तथा कंपनियों से शुरू हुआ यह आज अपने अलग ही रूप को प्रदर्शित कर रही है। इसका प्रांरभिक मजदूरों के हितों का संरक्षण करना था।

हड़ताल को यदि सही तरीके से किया जाए तो इसका सब पर सकारात्मक परिणाम हो सकता है परन्तु आज इसे राजनैतिक रूप देखकर अति उग्र रूप दिया जा रहा है। जहाँ कोई छोटी घटना घटी नहीं की लोग हड़ताल पर उतर आते है और उसे हिंसात्मक रूप दे देते हैं। लोग शरारती लोगों के बहकावे में आकर अपने ही देश की संपत्ति को तहस-नहस करने लगते हैं। इससे बेचारा आम आदमी मारा जाता है, बेकसूर जनता पिस जाती है। भारत की नई पीढ़ी को इस समस्या के प्रति जागरूक होना होगा। उन्हें यह समझना होगा की समस्या का समाधान शांतिपूर्ण ढ़ंग से निकाला जा सकता है। और यदि जरूरत पड़े भी तो हड़ताल को हिंसात्मक रूप तक या देश को किसी-भी प्रकार की क्षति पहुँचे इस का ध्यान रखें।

Q.2 Write a letter in Hindi in approximately 120 Words on any one of the topics given below: [7]

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग **120** शब्दों में पत्र लिखिए :

शिक्षाधिकारी को पत्र लिखकर अपनी जन्मतिथि में सुधार के लिए प्रार्थना पत्र लिखें।

सुधीर देसाई
20, विदयानगर
कुडाल
दिनांक : 14 **जून** 2013

सेवा में
माननीय शिक्षाधिकारी
माध्यमिक शिक्षण विभाग
जिला परिषद
सिंधुदुर्ग

विषय - गलत जन्मतिथि में सुधार करने के संबंध में।

महोदय,
सविनय निवेदन है कि मैं सुधीर, न्यू इंग्लिश स्कूल, कुडाल का छात्र हूँ। मेरी जन्मतिथि विद्‍यालय के रिकार्ड में गलत लिखी गई है। विद्‍यालय के रिकार्ड के अनुसार मेरी जन्मतिथि **21** फरवरी **2000** है जबकि मेरी सही जन्मतिथि **24** फरवरी **1999** है। प्रमाण के तौर पर मैं नगरपालिका द्‍वारा जारी जन्मतिथि प्रमाण-पत्र भेज रहा हूँ।
मेरी हाईस्कूल की परीक्षा भी निकट आ गई है। मैं चाहता हूँ कि दसवीं की परीक्षा में बैठने से पहले रिकार्ड में मेरी सही जन्मतिथि दर्ज हो जाए, ताकि बाद में इस बारे में कोई झंझट न हो। अत: आपसे प्रार्थना है कि आप शीघ्र ही

मेरी जन्मतिथि में सुधार करने की कृपा करें। साथ ही संबंधित सूचना मेरे विद्यालय के कार्यालय में भी भिजवाने की कृपा करें।

इसके लिए मैं आपका अति आभारी रहूँगा।

कष्ट के लिए क्षमा।

धन्यवाद।

भवदीय,

सुधीर।

अथवा

पिछले महीने कुछ प्रयासों द्वारा आपके विद्यालय के छात्रों ने कुछ धनराशि एकत्रित करके मूक-बधिर (deaf and dumb) विद्यालय के विद्यार्थियों की सहायता की थी। इसका वर्णन करते हुए अपने मित्र को एक पत्र लिखिये और बताइये कि हमें समाज के विकलांग लोगों के प्रति जैसा व्यवहार रखना चाहिए व उनकी सहायता के लिए किस प्रकार के प्रयास करने चाहिए।

नेहरू छात्रावास

दिल्ली पब्लिक स्कूल

नई दिल्ली

दिनाँक - 30 मार्च 2016

प्रिय तेजस

मधुर स्नेह

पत्र देर से लिखने के लिए क्षमा चाहता हूँ। तुम तो जानते ही हो कि मेरी वार्षिक परीक्षा चल रही थी। जिसके कारण में तुम्हें पत्र नहीं लिख पाया। मैं तुम्हें एक महत्त्व पूर्ण बात बताना चाहता था। पिछले महीने हमारे विद्यालय ने हम सभी छात्रों को एक कार्य सौंपा था, हमें एक फॉर्म दिया था और हमें अपने आस-पड़ोस से मूक-बघिर (deaf and dumb) विद्यालय के विद्यार्थियों के लिए चंदा जमा करना था। सभी विद्यार्थियों के सहयोग से कुल 30 हजार रूपयें जमा हो गए। इससे मूक-बघिर विद्यार्थियों के अभ्यास के लिए आवश्यक चीज़े ख़रीदी जाएगीं। मुझे बहुत ही प्रसन्नता हो रही है। यह हमारा

कर्तव्य है कि हम समाज में विकलांग लोगों की सहायता करें और उन्हें जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें।

आशा करता हूँ तुम भी अपने विद्यालय में अपने शिक्षकों की सहायता से समाज के विकलांग लोगों की मदद करोंगे और मुझे बताओगे। जल्द ही मैं तुमसे मिलने आऊँगा और सारे दोस्त मिलकर दावत का आयोजन करेंगे। शेष मिलने पर।

तुम्हारा मित्र

वेदांत

Q.3 Read the passage given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own words as far as possible: [10]

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए :

महात्माओं और विद्वानों का सबसे बड़ा लक्षण है - आवाज़ को ध्यान से सुनना। यह आवाज़ कुछ भी हो सकती है। कौओं की कर्कश आवाज़ से लेकर नदियों की छलछल तक। मार्टिन लूथर किंग के भाषण से लेकर किसी पागल के बड़बड़ाने तक। अमूमन ऐसा होता नहीं। सच यह है कि हम सुनना चाहते ही नहीं। बस बोलना चाहते हैं। हमें लगता है कि इससे लोग हमें बेहतर तरीके से समझेंगे। हालांकि ऐसा होता नहीं। हमें पता ही नहीं चलता और अधिक बोलने की कला हमें अनसुना करने की कला में पारंगत कर देती है।

मनोवैज्ञानिक ने अपने अध्ययन में पाया कि जिन घरों के अभिभावक ज्यादा बोलते हैं, वहाँ बच्चों में सही-गलत से जुड़ा स्वाभाविक ज्ञान कम विकसित हो पाता है, क्योंकि ज्यादा बोलना बातों को विरोधाभासी तरीके से सामने रखता है और सामने वाला बस शब्दों के जाल में फँसकर रह जाता है। बात औपचारिक हो या अनौपचारिक, दोनों स्थिति में हम दूसरे की न सुन, बस हावी होने की कोशिश करते हैं। खुद ज्यादा बोलने और दूसरों को अनसुना करने से जाहिर होता है कि हम अपने बारे में ज्यादा सोचते हैं और दूसरों के बारे में कम। ज्यादा बोलने वालों के दुश्मनों की भी संख्या ज्यादा होती है। अगर आप नए दुश्मन बनाना चाहते हैं, तो अपने दोस्तों से ज्यादा बोलें और अगर आप नए दोस्त बनाना चाहते हैं, तो दुश्मनों से कम बोलें। अमेरिका के सर्वाधिक चर्चित

राष्ट्रपति रूजवेल्ट का अपने माली तक के साथ कुछ समय बिताते और इस दौरान उनकी बातें ज्यादा सुनने की कोशिश करते। वह कहते थे कि लोगों को अनसुना करना अपनी लोकप्रियता के साथ खिलवाड़ करने जैसा है। इसका लाभ यह मिला कि ज्यादातर अमेरिकी नागरिक उनके सुख में सुखी होते, और दुख में दुखी।

(क) अनसुना करने की कला क्यों विकसित होती है? [2]

उत्तर : सच यह है कि हम सुनना चाहते ही नहीं। बस बोलना चाहते हैं। हमें लगता है कि इससे लोग हमें बेहतर तरीके से समझेंगे। हालांकि ऐसा होता नहीं। हमें पता ही नहीं चलता और अधिक बोलने की कला हमें अनसुना करने की कला में पारंगत कर देती है।

(ख) अधिक बोलने वाले अभिभावकों का बच्चों पर क्या प्रभाव पड़ता है और क्यों? [2]

उत्तर : अधिक बोलने वाले अभिभावकों के वहाँ बच्चों में सही-गलत से जुड़ा स्वाभाविक ज्ञान कम विकसित हो पाता है, क्योंकि ज्यादा बोलना बातों को विरोधाभासी तरीके से सामने रखता है और सामने वाला बस शब्दों के जाल में फँसकर रह जाता है।

(ग) अधिक बोलना किन बातों का सूचक है? [2]

उत्तर : अधिक बोलना इस बात का सूचक है कि हम अपने बारे में ज्यादा सोचते हैं और दूसरों के बारे में कम।

(घ) रूजवेल्ट की लोकप्रियता का क्या कारण बताया गया है? [2]

उत्तर : अमेरिका के सर्वाधिक चर्चित राष्ट्रपति रूजवेल्ट का अपने माली तक के साथ कुछ समय बिताते और इस दौरान उनकी बातें ज्यादा सुनने की कोशिश करते और यही उनकी लोकप्रियता का कारण था।

(ङ) अनुच्छेद का मूल भाव तीन-चार वाक्यों में लिखिए। [2]

उत्तर : इस अनुच्छेद का मूल भाव यह है कि हमें दूसरों की बातों को भी ध्यानपूर्वक सुनना चाहिए जिससे हम बेहतर मित्र और लोकप्रिय भी हो सकते हैं।

Q.4 Answer the following according to the instructions given:

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :

1. निम्नलिखित शब्दों से विशेषण बनाइए : **[1]**

- अनुभव - अनुभवी
- पूजा - पूजनीय

2. निम्नलिखित शब्दों में से किसी दो शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए: **[1]**

- पुत्री - आत्मजा, दुहिता
- घमंड - अभिमान, दर्प

3. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों के विपरीतार्थक शब्द लिखिए : **[1]**

- अपमान - सम्मान
- अमावस्या - पूर्णिमा
- उत्थान - पतन
- निंदा - स्तुति

4. निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक की सहायता से वाक्य बनाइए : [1]

मुँह में पानी भर आना, टाँग अड़ाना

- मुँह में पानी भर आना - पेड. पर आम देखकर मेरे मुँह में पानी भर आया और मैंने झटपट तोड़ लिया।
- टाँग अड़ाना - मेरे पिताजी ने मुझसे कहाँ दूसरे के घरेलू मामलों में हमें टाँग नहीं अड़ानी चाहिए।

5. भाववाचक संज्ञा बनाइए। [1]

- सेवक - सेवा
- बच्चा - बचपन

6. कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए :

(a) वह दुश्मन की सेना पर टूट पड़ा। [1]

('टूट पड़ा' के स्थान पर हमला किया का प्रयोग कीजिए।)

उत्तर : उसने दुश्मन की सेना पर हमला कर दिया।

(b) विद्यार्थी पुस्तक पढ़ रहा है। (बहुवचन में बदलिए) [1]

उत्तर : विद्यार्थी पुस्तकें पढ़ रहे हैं।

(c) अन्ना हज़ारे ने सरकार का लोकपाल बिल मानने से <u>इंकार कर दिया</u>।[1]

(रेखांकित शब्द का विपरीतार्थक शब्द लिखिए। ध्यान रहे वाक्य का अर्थ न बदले।)

उत्तर : अन्ना हजारे ने सरकार के लोकपाल बिल को स्वीकार नहीं किया।

SECTION - B (40 Marks)

Attempt four questions from this section.

You must answer at least one question from each of two books you have studied and any two other questions.

साहित्य सागर

गद्य

Q.5 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

एक दिन उसने ऊपर आसमान में पतंग उड़ती देखी। न जाने क्या सोचकर उसका हृदय एकदम खिल उठा।

पाठ - काकी

लेखक - सियारामशरण गुप्त

1. किसका हृदय क्यों खिल उठा? [2]

उत्तर : श्यामू अपनी माँ के जाने के बाद हमेशा दुखी रहा करता था। उसके हमउम्र बच्चों के अनुसार उसकी माँ राम के पास गई है इसलिए वह प्राय: शून्य मन से आकाश की और ताका करता था। एक दिन उसने ऊपर आसमान में पतंग उड़ती देखी और श्यामू ने सोचा कि पतंग की डोर को ऊपर रामजी के घर भेजकर वह अपनी माँ को वापस बुला लेगा और यही सोचकर उसका हृदय खिल उठा।

2. श्यामू ने कौन-सी चीज किस उद्देश्य से मँगवाई थी? [2]

उत्तर : श्यामू ने एक दिन आसमान में एक पतंग उड़ती देखी तो उसके मन में यह विचार आया कि वह पतंग के सहारे अपनी माँ को रामजी के घर से वापस ले आएगा। इस तरह अपनी माँ को रामजी के घर से पुन: प्राप्त करने के उद्देश्य की पूर्ति के लिए उसने भोला से पतंग और रस्सी मँगवाई।

3. इस कार्य में उसकी मदद किसने की उसका परिचय दें। [3]

उत्तर : श्यामू की माँ को रामजी के घर से लाने में श्यामू की मदद भोला ने की।

भोला उसका समवयस्क साथी था। वह सुखिया दासी का पुत्र था। भोला चतुर समझदार था परंतु छोटा होने के कारण डरपोक भी था इसलिए विश्वेश्वर के डाँटने पर उसने चोरी संबंधित सारी बात उगल दी। वह भी श्यामू की तरह मासूम और भावुक बालक है।

4. अपने उद्देश्य की पूर्ति के लिए श्यामू ने पैसों की व्यवस्था किस प्रकार की? [3]

उत्तर : श्यामू अपनी माँ को रामजी के घर से लाने के उद्देश्य की पूर्ति के लिए पहले अपने पिता से पतंग दिलवाने की प्रार्थना करता है परंतु जब उसके पिता उसे पतंग नहीं दिलवाते हैं तो वह खूँटी पर

रखे पिता के कोट से चवन्नी चुरा लेता है और भोला से कहकर पतंग और डोर की व्यवस्था करता है। इस प्रकार अपनी माँ को वापस लाने के लिए वह चोरी करने से भी नहीं हिचकिचाता।

Q. 6 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

मैंने देखा कि कुहरे की सफेदी में कुछ ही हाथ दूर से एक काली-सी मूर्ति हमारी तरफ आ रही थी। मैंने कहा - "होगा कोई"

पाठ - अपना अपना भाग्य

लेखक - जैनेंद्र कुमार

1. लेखक किसके साथ कहाँ बैठा था? [2]

उत्तर : लेखक अपने मित्र के साथ नैनीताल में संध्या के समय बहुत देर तक निरुद्देश्य घूमने के बाद एक बेंच पर बैठे थे?

2. बादलों का लेखक ने कैसा वर्णन किया है? [2]

उत्तर : लेखक अपने मित्र के साथ नैनीताल में संध्या के समय बहुत देर तक निरुद्देश्य घूमने के बाद एक बेंच पर बैठे थे। उस समय संध्या धीरे-धीरे उतर रही थी। रुई के रेशे की तरह बादल लेखक के सिर को छूते हुए निकल रहे थे। हल्के प्रकाश और अँधियारी से रंग कर कभी बादल नीले दिखते, तो कभी सफ़ेद और फिर कभी जरा लाल रंग में बदल जाते।

3. लेखक ने नैनीताल की उस संध्या में कुहरे की सफेदी में क्या देखा? [3]

उत्तर : लेखक ने उस शाम एक दस-बारह वर्षीय बच्चे को देखा जो नंगे पैर, नंगे सिर और एक मैली कमीज लटकाए चला आ रहा था। उसकी चाल से कुछ भी समझ पाना लेखक को असंभव सा लग

रहा था क्योंकि उसके पैर सीधे नहीं पड़ रहे थे। उस बालक का रंग गोरा था परंतु मैल खाने से काला पड़ गया था, आँखें अच्छी, बड़ी पर सूनी थी माथा ऐसा था जैसे अभी से झुरियों आ गईं हो।

4. लेखक और मित्र ने उस बालक के विषय में कौन-सी बातें जानी? [3]

उत्तर : नैनीताल की संध्या के समय लेखक और उसके मित्र जब एक बेंच पर बैठे थे तो उनकी मुलाकात एक दस-बारह वर्षीय बालक से होती है। दोनों को आश्चर्य होता है कि इतनी ठंड में यह बालक बाहर क्या कर रहा है। वे उससे तरह-तरह के प्रश्न करते हैं। उससे उन्हें पता चलता है कि वो कोई पास की दुकान पर काम करता था और उसे काम के बदले में एक रूपया और जूठा खाना मिलता था।

Q 7 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

इसी नगरपालिका के उत्साही बोर्ड या प्रशासनिक अधिकारी ने एक बार 'शहर' के मुख्य चौराहे पर नेताजी सुभाषचंद्र बोस की एक संगमरमर की प्रतिमा लगवा दी यह कहानी उसी प्रतिमा के बारे में है, बल्कि उसके भी एक छोटे-से हिस्से के बारे में।

पाठ - नेताजी का चश्मा

लेखक - स्वयं प्रकाश

1. हालदार साहब कब और कहाँ-से क्यों गुजरते थे? [2]

उत्तर : हालदार साहब हर पंद्रहवें दिन कंपनी के काम के सिलसिले में एक कस्बे से गुजरते थे। जहाँ बाज़ार के मुख्य चौराहे पर नेताजी की मूर्ति लगी थी।

2. कस्बे का वर्णन कीजिए। [2]

उत्तर : कस्बा बहुत बड़ा नहीं था। जिसे पक्का मकान कहा जा सके वैसे कुछ ही मकान और जिसे बाज़ार कहा जा सके वैसा एक ही बाज़ार था। कस्बे में एक लड़कों का स्कूल, एक लड़कियों का स्कूल, एक सीमेंट का कारखाना, दो ओपन एयर सिनेमाघर और एक थी।

3. नगरपालिका के कार्यों के बारे में बताइए। [3]

उत्तर : उस कस्बे नगरपालिका थी तो कुछ-न कुछ करती भी रहती थी। कभी कोई सड़क पक्की करवा दी, कभी कुछ पेशाबघर बनवा दिए, कभी कबूतरों की छतरी बनवा दी तो कभी कवि सम्मलेन करवा दिया।

4. शहर के मुख्य बाज़ार में प्रतिमा किसने लगवाईं थी और उस प्रतिमा की क्या विशेषता थी? [3]

उत्तर : शहर के मुख्य बाज़ार के मुख्य चौराहे पर नगरपालिका के किसी उत्साही बोर्ड या प्रशासनिक अधिकारी ने नेताजी सुभाषचंद्र बोस की एक संगमरमर की प्रतिमा लगवा दी थी।

साहित्य सागर

पद्य

Q. 8 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

जब तक मनुज-मनुज का यह सुख भाग नहीं सम होगा,
शमित न होगा कोलाहल, संघर्ष नहीं कम होगा।
उसे भूल वह फँसा परस्पर ही शंका में भय में,
लगा हुआ केवल अपने में और भोग-संचय में।
प्रभु के दिए हुए सुख इतने हैं विकीर्ण धरती पर,

भोग सकें जो उन्हें जगत में कहाँ अभी इतने नर?
सब हो सकते तुष्ट, एक-सा सुख पर सकते हैं;
चाहें तो पल में धरती को स्वर्ग बना सकते हैं,

कविता - स्वर्ग बना सकते हैं
कवि - रामधारी सिंह 'दिनकर'

1. प्रभु के दिए हुए सुख इतने हैं विकीर्ण धरती पर' - पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। [2]

उत्तर : प्रस्तुत पंक्ति का आशय यह है कि ईश्वर ने हमारे लिए धरती पर सुख-साधनों का विशाल भंडार दिया हुआ है। सभी मनुष्य इसका उचित उपयोग करें तो यह साधन कभी भी कम नहीं पड़ सकते।

2. मानव का विकास कभी संभव होगा? [2]

उत्तर : मानव के विकास के पथ पर अनेक प्रकार की मुसीबतें उसकी राह रोके खड़ी रहती है तथा विशाल पर्वत भी राह रोके खड़े रहता है। मनुष्य जब इन सब विपत्तियों को पार कर आगे बढ़ेगा तभी उसका विकास संभव होगा।

3. किस प्रकार पल में धरती को स्वर्ग बना सकते है? [3]

उत्तर : ईश्वर ने हमारे लिए धरती पर सुख-साधनों का विशाल भंडार दिया हुआ है। सभी मनुष्य इसका उचित उपयोग करें तो यह साधन कभी भी कम नहीं पड़ सकते। सभी लोग सुखी होंगे।इस प्रकार पल में धरती को स्वर्ग बना सकते है।

4. शब्दार्थ लिखिए - शमित, विकीर्ण, कोलाहल, विघ्न, चैन, पल [3]

- शमित - शांत
- विकीर्ण - बिखरे हुए
- कोलाहल - शोर
- विघ्न - रूकावट

- चैन - शांति
- पल - क्षण

Q. 9 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

भूख से सूख ओंठ जब जाते
दाता-भाग्य विधाता से क्या पाते**?**
घूँट आँसुओं के पीकर रह जाते।
चाट रहे जूठी पत्तल वे सभी सड़क पर खड़े हुए**,**
और झपट लेने को उनसे कुत्ते भी हैं अड़े हुए!

कविता **-** भिक्षुक
कवि **-** सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

1. भिक्षुक के आँसुओं के घूँट पी जाने का क्या कारण है? [2]

   उत्तर : भिक्षुक भूख के मारे व्याकुल है**,** साथ में उसके बच्चे भी हैं। भिक्षुक शरीर से भी दुर्बल है। भीख में जब उसे कुछ नहीं मिलता तब वह आँसुओं के घूँट पी जाता है।

2. भूख मिटाने की विवशता उनसे क्या करवाती है? [2]

   उत्तर : भिक्षुक को जब कुछ नहीं मिलता तो वे जूठी पत्तलें चाटने के लिए विवश हो जाते हैं। जूठी पत्तलों में जो कुछ थोड़ा बहुत अन्न बचा था वे उसी को खाकर अपनी भूख शांत करने का प्रयास करते हैं।

3. 'और झपट लेने को उनसे कुत्ते भी हैं अड़े हुए' **-** पंक्ति का आशय स्पष्ट करें। [3]

   उत्तर : उपर्युक्त पंक्ति का आशय भूख की विवशता से है। भिक्षुक जब सड़क पर खड़े होकर जूठी पत्तलों को चाटकर अपनी भूख को

मिटाने का प्रयास कर रहे थे तब सड़क के कुत्ते भी उन्हीं पत्तलों को पाने के लिए भिक्षुक पर झपट पड़े थे।

4. शब्दार्थ लिखिए - ओंठ, सड़क, कुत्ते, झपट, आँसू, विधाता [3]

- ओंठ - ओष्ठ
- सड़क - मार्ग
- कुत्ते - श्वान
- झपट - छिनना
- आँसू - अश्रु
- विधाता - ईश्वर

Q. 10 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

मैया, मैं तौ चंद-खिलौना लैहौं।
जैहौं लोटि धरनि पर अबहीं, तेरी गोद न ऐहौं॥
सुरभी कौ पय पान न करिहौं, बेनी सिर न गुहैहौं।
ह्वै हौं पूत नंद बाबा को, तेरौ सुत न कहैहौं॥
आगैं आउ, बात सुनि मेरी, बलदेवहि न जनैहौं।
हँसि समुझावति, कहति जसोमति, नई दुलहिया दैहौं॥
तेरी सौ, मेरी सुनि मैया, अबहिं बियाहन जैहौं॥
सूरदास ह्वै कुटिल बराती, गीत सुमंगल गैहौं॥

कविता - सूर के पद

कवि - सूरदास

1. उपर्युक्त पद का प्रसंग स्पष्ट कीजिए। [2]

उत्तर : उपर्युक्त पद महाकवि सूरदास द्वारा रचित है। इस पद में बाल कृष्ण अपनी यशोदा माता से चंद्रमा रूपी खिलौना लेने की हठ कर रहे हैं उसका वर्णन किया गया है।

2. अपनी हठ पूरी न होने पर बाल कृष्ण अपनी माता को क्या-क्या कह रहे हैं? [2]

उत्तर : अपनी हठ पूरी न होने पर बाल कृष्ण अपनी माता को कहते हैं कि जब तक उन्हें चाँद रूपी खिलौना नहीं मिल जाता तब तक वह न तो भोजन ग्रहण करेंगे, न चोटी गुँथवाएगे, न मोतियों की माला पहनेंगे, न उनकी गोद में आएँगे, न ही नंद बाबा और यशोदा माता के बेटे कहलाएँगे।

3. यशोदा माता श्रीकृष्ण को मनाने के लिए क्या कहती है? [3]

उत्तर : यशोदा माता श्रीकृष्ण को मनाने के लिए उनके कान में कहती है, तुम ध्यान से सुनो। कहीं बलराम न सुन ले। तुम तो मेरे चंदा हो और मैं तुम्हारे लिए सुंदर दुल्हन लाऊँगी।

4. माँ यशोदा की बात सुनकर श्रीकृष्ण की क्या प्रतिक्रिया हुई? [3]

उत्तर : माँ यशोदा की बात सुनकर श्रीकृष्ण कहते हैं माता तुझको मेरी सौगन्ध। तुम मुझे अभी ब्याहने चलो।

एकांकी संचय

Q. 11 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

काश कि मैं निर्मम हो सकती, काश कि मैं संस्कारों की दासता से मुक्त हो पाती तो कुल धर्म और जाति का भूत मुझे तंग न करता और मैं अपने बेटे से न बिछुड़ती। स्वयं उसने मुझसे कहा था, संस्कारों की दासता सबसे भयंकर शत्रु है।

एकांकी - संस्कार भावना

लेखक - विष्णु प्रभाकर

1. कौन संस्कारों की दासता से मुक्त होने में विफल रहा और क्यों? [2]

उत्तर : यहाँ पर अतुल और अविनाश की माँ हिन्दू समाज की रूढ़िवादी संस्कारों से ग्रस्त हैं। वे संस्कारों की दास हैं। एक मध्यम परिवार में अपने पुराने संस्कारों की रक्षा करना धर्म माना जाता है। इसलिए माँ संस्कारों की दासता से मुक्त होने में विफल रही।

2. माँ ने अपने विचारों के प्रति क्या पश्चाताप किया है? [2]

उत्तर : माँ ने अपने रूढ़ीवादी विचारों के कारण अपने बेटे-बहू से बिछड़ने का पश्चाताप किया है।

3. अतुल और उमा माँ के किस निर्णय से प्रसन्न हैं? [3]

उत्तर : जब माँ को अविनाश की पत्नी की बीमारी की सूचना मिलती है तब उसका हृदय मातृत्व की भावना से भर उठता है। उसे इस बात का आभास है कि यदि बहू को कुछ हो गया तो अविनाश नहीं बचेगा। माँ को पता है कि अविनाश को बचाने की शक्ति केवल उसी में है। इसलिए वह प्राचीन संस्कारों के बाँध को तोड़कर अपने बेटे के पास जाना चाहती है।

4. अविनाश की वधू का चरित्र-चित्रण कीजिए। [3]

उत्तर : अविनाश की वधू बहुत भोली और प्यारी थी, जो उसे एक बार देख लेता उसके रूप पर मंत्रमुग्ध हो जाता। बड़ी-बड़ी काली आँखें उनमें शैशव की भोली मुस्कराहट उसके रूप तथा बड़ों के प्रति आदर के भाव ने अतुल और उमा को प्रभावित किया।

Q. 12 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

कभी-कभी चोट भी मरहम का काम कर जाती है, बेटा। अरे, खड़ी-खड़ी हमारा मुँह क्या ताक रहो हो? अन्दर जाकर तैयारी क्यों नहीं करती है? बहू की विदा नहीं करनी है क्या?

एकांकी - बहू की विदा

लेखक - विनोद रस्तोगी

1. 'कभी-कभी चोट भी मरहम का काम कर जाती है' कथन से वक्ता का क्या अभिप्राय है? [2]

   उत्तर : 'कभी-कभी चोट भी मरहम का काम कर जाती है' कथन से वक्ता जीवन लाल का यह अभिप्राय है कि बहू भी बेटी होती है और इस बात का उन्हें अहसास हो गया है।

2. वक्ता की बेटी के ससुराल वालों के किस काम से उनकी आँखें खुलीं? [2]

   उत्तर : वक्ता जीवन लाल अपनी बेटी गौरी के ससुरालवालों को दहेज देने के बावजूद उसके ससुराल वालों ने उसे दहेज कम पड़ने की वजह से उसके भाई के साथ विदा न करके उसे अपमानित करने पर जीवन लाल की आँखें खुलीं।

3. उपर्युक्त कथन का श्रोता और उसकी बहन पर क्या प्रतिक्रिया हुई? [3]

   उत्तर : उपर्युक्त कथन को सुनकर प्रमोद मुस्करा कर अपने जीजा रमेश की ओर देखने लगा तथा उसकी बहन कमला खुशी के आँसू पोंछती हुई अंदर चली गई।

4. क्या स्त्री शिक्षा दहेज प्रथा को समाप्त करने में सहायक हो सकती है? अपने विचार लिखिए। [3]

   उत्तर : जी हाँ, स्त्री शिक्षा दहेज प्रथा को समाप्त करने में सहायक हो सकती है। शिक्षा से बेटियाँ खुद आत्मनिर्भर बनेंगी। समाज में बेटा-बेटी का फर्क मिट जाएगा तथा वे अपने अधिकार एंव अत्याचारों के प्रति सजग रहेंगी।

Q.13 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

इस फ़र्नीचर पर हमारे बाप-दादा बैठते थे, पिता बैठते थे, चाचा बैठते थे। उन लोगों को कभी शर्म नहीं आई, उन्होंने कभी फ़र्नीचर के सड़े-गले होने की शिकायत नहीं की।

एकांकी - सूखी डाली

लेखक - उपेंद्रनाथ 'अश्क'

1. उपर्युक्त अवतरण का वक्ता कौन है और इस समय वह किससे और क्यों बहस कर रहा है? [2]

उत्तर : उपर्युक्त अवतरण का वक्ता परेश है जो कि तहसीलदार है। इस समय वह अपनी पत्नी बेला से फ़र्नीचर के बाबत बहस कर रहा है।

बेला पढ़ी-लिखी और आधुनिक विचारधारा को मानने वाली स्त्री है। वह घर के पुराने फ़र्नीचर को बदलना चाहती है और इसलिए वह इस बात पर अपने पति परेश से बहस करती है।

2. श्रोता बेला के मायके और ससुराल में क्या अंतर है? [2]

उत्तर : बेला जो की घर की छोटी बहू है, बड़े घर से ताल्लुक रखती है। घर की इकलौती लड़की होने के कारण उसे अपने घर में बहुत अधिक लाड़-प्यार, मान सम्मान और स्वच्छंद वातावरण मिला था। उसके विपरीत उसका ससुराल एक संयुक्त परिवार था जो घर के दादाजी की छत्रछाया में जीता था। यहाँ के लोग सभी पुराने संस्कारों में ढले हैं।

3. बेला की फ़र्नीचर के बारे क्या राय थी? [3]

उत्तर : बेला बड़ी घर की एकलौती बेटी होने के कारण अपने मायके में लाड़-प्यार से पली-बढ़ी थी। यहाँ ससुराल में सभी पुराने संस्कारों

को मानने वाले थे अत:घर की कोई भी चीज को बदलना नहीं चाहते थे। बेला की राय में कमरे का फ़र्नीचर सड़ा-गला और टूटा-फूटा है और वह इस प्रकार के फ़र्नीचर को अपने कमरे में रखने की बिल्कुल भी इच्छुक नहीं थी।

4. घर के फ़र्नीचर के बारे में वक्ता की राय क्या थी और वह उसे क्यों नहीं बदलना चाहता था**?** [3]

उत्तर : वक्ता परेश पढ़ा-लिखा और तहसीलदार पद को प्राप्त किया युवक है परंतु संयुक्त परिवार में रहने के कारण उसे घर के माहौल के साथ ताल-मेल बिठाकर कार्य करना होता है। उसकी पत्नी बेला को कमरे का फ़र्नीचर टूटा-पुराना और सड़ा-गला लगता है तो इस पर वक्ता कहता है कि यह वही फ़र्नीचर है जिस पर उसके दादा, पिता और चाचा बैठा करते थे। उन्होंने तो कभी फ़र्नीचर की ऐसी शिकायत नहीं की और यदि इस फ़र्नीचर को वह कमरे में न रखे तो उसके परिवार इसे ठीक नहीं समझेंगे। अत:वक्ता अपने कमरे का फ़र्नीचर बदलना नहीं चाहता था।

नया रास्ता

(सुषमा अग्रवाल)

Q.14 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

दूसरे दिन प्रात: होते ही दयाराम जी के घर में मेहमानों के स्वागत के लिए विभिन्न प्रकार की तैयारियाँ प्रारंभ हो गई थीं। घर की सारी चीजें झाड़-पोंछकर यथा-स्थान लगा दी गई थीं। एक मध्यम श्रेणी की हैसियत के अनुसार बैठक को विशेष रूप से सुसज्जित किया गया।

1. प्रस्तुत पंक्तियों में कौन किसके घर आ रहा है**?** [2]

उत्तर : प्रस्तुत पंक्तियों में दयाराम जी के घर उनकी बेटी मीनू को देखने मेरठ से मायाराम जी का परिवार आ रहा है।

2. आनेवाले मेहमान को विशेष महत्त्व क्यों दिया जा रहा है? [3]

उत्तर : दयाराम जी की बेटी मीनू साँवली होने के कारण अभी तक उसे कोई पसंद नहीं कर पाया था लेकिन मेरठ वालों को उसकी फोटो पसंद आ गई थी। अत: सभी को लगता था कि इस बार मीनू का रिश्ता हो ही जाएगा इसीलिए आने वाले मेहमान को महत्त्व दिया जा रहा था।

3. "विभिन्न प्रकार की तैयारियाँ…." विशिष्ट संदर्भ में स्पष्ट कीजिए। [3]

उत्तर : आज भी हमारे यहाँ लड़की वालों के यहाँ रिश्ता लेकर आना उत्सव से कम नहीं होता इसलिए वे अपनी तरफ़ से कोई कसर नहीं छोड़ते हैं। अपनी हैसियत के मुताबिक या उससे भी बढ़ चढ़ कर मेहमानों को खुश करने का प्रयास करते हैं।

यहाँ पर भी दयाराम जी बेटी मीनू को देखने के संदर्भ में विभिन्न प्रकार की तैयारियाँ का उल्लेख किया गया है।

4. आनेवाले मेहमान से परिवार के लोगों को क्या उम्मीद है? [3]

उत्तर : अभी तक मीनू के रंग-रूप के कारण उसका कहीं रिश्ता नहीं हो पाया था परंतु इस बार मेरठ में रहने वाले मायाराम जी के परिवार वालों को मीनू का फोटो पसंद आ गया था अत: परिवार वालों को इस बार पूरी उम्मीद थी कि इस बार मीनू का रिश्ता पक्का हो ही जाएगा।

Q.15. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

वह समझ नहीं पा रही थी कि हमारे समाज में स्त्री पुरुष में इतना भेद क्यों? यदि कोई लड़का अकेला रहता है तो समाज उस पर अंगुलियाँ नहीं उठाता, चाहे वह कितना ही अपराध क्यों न करता हो परंतु एक लड़की, चाहे

वह कितना अपराध क्यों न करता हो। परंतु एक लड़की,चाहे वह कितना ही संयम शील जीवन क्यों न व्यतीत करती हो, फिर समाज उस पर दोषारोपण करता है।

1. किसी बातें सुनकर वक्ता इतनी परेशान है? [2]

उत्तर : मीनू जहाँ रहती थी वहीँ पर उनके पड़ोस में एक महिला रहती थी जिसे मीनू मौसी के नाम से संबोधित करती थी। यह पड़ोस वाली मौसी उसे एक दिन बस में मिल जाती है। वह एक अन्य महिला के साथ मीनू के अभी तक अविवाहित रहने की बात करती है और यह बातें सुनकर वह आहत हो जाती है।

2. समाज में स्त्री पुरुष में इतना भेद क्यों है? [2]

उत्तर : हमारे समाज में पहले से ही लड़की और लड़के में अंतर किया जाता रहा है। लड़का कितनी भी गलती करें उसे कभी कोई कुछ नहीं कहता परंतु यदि लड़की छोटी भी गलती करे तो पूरा समाज उस पर दोषारोपण करने लगता है।

3. लड़की के जीवन में इतनी कठिनाईयाँ क्यों आती है? [3]

उत्तर : बचपन से ही लड़की को लड़कों से कम समझा और आँका जाता है इसलिए जब कभी कोई लड़की लड़कों के साथ बराबरी या कुछ अलग करने की कोशिश करती है तो पूरा समाज उसके विरुद्ध खड़ा हो जाता है इसलिए लड़की के जीवन में इतनी कठिनाईयाँ आती है।

4. इन पक्तियों के भाव स्पष्ट कीजिए? [3]

उत्तर : इन पंक्तियों का भाव लड़का और लड़की में भेद से है। यहाँ पर कहने का तात्पर्य यह है कि इस भेद के कारण लड़की अपने आप को कम समझने लगती है। उसके छोटे से भी अपराध को बहुत बढ़ा चढ़ा कर पेश किया जाता है उसी जगह पर लड़का कितना भी अपराध क्यों न करे उसे कोई कुछ नहीं कहता है।

Q.16. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

मीनू दुल्हन बनी, उसकी डोली सजी और अपने पिया संग ससुराल को चल दी। मीनू को पा लेने पर अमित भी अब अपने को भाग्यशाली अनुभव कर रहा था।

दुल्हन के रूप में सजी मीनू आज साधारण पढ़ी मीनू नहीं, वरन् एक प्रसिद्ध वकील मीनू थी, जिसने आत्मविश्वास व लगन से विशेष ख्याति प्राप्त कर ली थी।

आज वह अपनी मंजिल तक पहुँच चुकी थी, जिसकी उसे तलाश थी।

1. 'आज मीनू का सपना पूरा हो गया' स्पष्ट करो। [2]

उत्तर : यहाँ पर कहने का तात्पर्य यह है कि साधारण रंग-रूप की होने के कारण जहाँ उसे ठुकरा दिया था उसी परिवार ने बाद में उसे सिर आँखों पर उठाकर उसे अपने घर की बहू बना लिया था। साथ ही उसने अपने वकील बनने के लक्ष्य को भी पा लिया था।

2. क्या वकील बनना ही मीनू की मंजिल थी**?** [2]

उत्तर : हाँ वकील बनना ही मीनू की मंजिल थी।

3. सामाजिक बंधन से क्या मीनू मुक्त हो सकी**?** [3]

उत्तर : मीनू अमित से विवाह के बंधन में बंधने से सामजिक बंधन से मुक्त हो गई। हमारे समाज में लड़की कितनी भी सफलता क्यों न प्राप्त कर ले परंतु जब तक वह शादी करके अपना घर नहीं बसा लेती तब तक समाज उस पर दवाब बना रहता है।

4. 'विशेष ख्याति' से क्या तात्पर्य है? [3]

उत्तर : 'विशेष ख्याति' से यहाँ तात्पर्य मीनू के वकील बनने से है। मीनू ने अपनी लगन और परिश्रम के बलबूते पर अपना वकील बनने का लक्ष्य पूरा किया।